माँ का दर चूमकर,
सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया,
दर बदर घूम कर,
मैया के द्वार पर,
मैंने झोली फैलाई, मजा आ गया।।

तर्ज मेरे रश्के कमर।

सिंह पर बैठ कर माँ भवानी चली,
दुष्ट दानव पे माँ की दुधारी चली,
रण में संहार कर, दुष्टों को मार कर,
मुण्डमाला बनाई, मजा आ गया।।

माँ की कृपा के बादल बरस जायेंगे,
सबके बिगड़े मुकद्दर संवर जायेंगे,
बात बन जायेगी, झोली भर जायेगी,
माँ से आशा लगाई, मजा आ गया।।

आसरा इस जहाँ का मिले न मिले,
माँ के दर पे पदम् को ठिकाना मिले,
आ गये द्वार माँ, कर दो उपकार माँ,
माँ की महिमा को गाई, मजा आ गया।।

माँ का दर चूमकर,
सारे गम भूलकर,
मैंने अर्जी लगाई, मजा आ गया,
दर बदर घूम कर,
मैया के द्वार पर,
मैंने झोली फैलाई, मजा आ गया।।

Singer Mukesh Kumar

Source: https://www.bharattemples.com/maa-ka-dar-chumkar-sare-gam-bhulkar/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw